RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : दिसंबर 01 नवंबर 2023 वर्ष 05 अंक 219 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मनोज जरांगे ने मंत्री छगन भुजबल को कहा 'पनौती'

महाराष्ट्र में जातिगत अशांति फैलाने का लगाया आरोप

छगन भुजबल पर साधा निशाना

मुंबई : ताजा हमले में, शिवबा संगठन के नेता मनोज जरांगे-पाटिल ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल को 'पनौती' (अपशकुन) करार दिया और उन पर राज्य में जातिवादी अशांति फैलाने का आरोप लगाया. जारांगे-पाटिल लगभग चार महीनों से मराठा आरक्षण के लिए अभियान चला रहे हैं, जबकि भुजबल ने ओबीसी श्रेणी से मराठा आरक्षण को अलग करने की उनकी मांग का पुरजोर विरोध किया है. दोनों समूहों के सीधे टकराव की स्थिति में भुजबल गुरुवार को नासिक में बारिश से प्रभावित कुछ इलाकों के सर्वेक्षण पर गए, जहां उन्हें किसानों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा.

जारांगे-पाटिल ने कहा, ''क्या वह (भुजबल) वहां जाते हैं और पंचनामा तैयार करते हैं? फिर वह खेतों को रौंदने के लिए वहां क्यों जा रहा है... किसानों को तब बेहतर लगता है जब वह उन्हें अकेला छोड़ देते हैं.'' नासिक के येओला तालुका के कई गांवों के अपने मौजूदा दौरे में, भुजबल को गुरुवार को स्थानीय मराठा युवाओं और बुजुर्गों के जोरदार विरोध और प्रदर्शन का सामना करना पड़ा, जिन्होंने उनके वाहन को रोकने का प्रयास किया, उनके खिलाफ नारे लगाए, उन्हें 'वापस जाने' के लिए कहा, और उन्होंने कहा कि उन्हें उन्हें उनके भाग्य पर छोड़ देना चाहिए. एक गांव में, मंत्री का काफिला निकलने के बाद, स्थानीय लोगों ने उनके पीछे नारे लगाए और गोमूत्र छिड़ककर और मंत्रों का जाप करके सड़कों को शुद्ध किया, घटनाक्रम के वीडियो वायरल हो रहे हैं, इसमें भुजबल उत्तेजित भीड़ को शांत करने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं.

क्या बोले मनोज जरांगे?

इसका जवाब देते हुए जारांगे-पाटिल ने कहा कि भुजबल दुर्भाग्यशाली हैं और उनकी वजह से राज्य के किसान साढ़ेसाती (एक ज्योतिषीय शब्द जो साढ़े सात साल के लिए दुर्भाग्य का संकेत देता है) से पीड़ित होंगे. जारांगे पाटिलने आरोप लगाया, ''भुजबल एक 'पनौती' हैं और खेती करने वालों के लिए अपशकुन लाएंगे... वह कानून तोड़ते हैं, महान आदर्शों की जातियों का उल्लेख करते हैं, वह आरक्षण के विरोधी हैं और संवैधानिक पद पर रहते हुए जातिगत अशांति फैला रहे हैं.'' उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) से अलग हुए समूह को सलाह दी कि वह प्रभावित कृषकों के सर्वेक्षण दौरे को आगे न बढ़ाएं और कहा, ''सरकारी प्रशासन को प्रभावित किसानों के लिए आवश्यक कार्य करने दें.''

पिछले 7 दिनों में 15 ठिकानों पर लगी आग, दो की मौत, तीन घायल

ठाणे : शहर में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही है। छोटी मोटी घटनाओं को छोड़ दें तब भी ऐसे 15 ठिकानों पर आग लगाने की घटना दर्ज की गई जिसमें लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

इमारतों के अंदर बिजली मीटर रूम में आग लगने के सबसे ज्यादा मामले प्रकाश में आए हैं। इन घटनाओं में अबतक दो लोगों की मौत तथा तीन लोग घायल हो चुके है। 20 से 27 नवंबर तक शहर में आग लगने की 15 घटनाएं मनपा आपदा प्रबंधन विभाग तथा दमकल विभाग में दर्ज हैं। इनमे सबसे ज्यादा 27 नवंबर को चार जगहों पर आग लगने की घटनाएं हुईं। 20 नवंबर को वसंत विहार के धर्मवीर नगर स्थित एक बिल्डिंग के मीटर रूम में तथा राबोडी स्थित एक इमारत की की बालकनी में आग लगने की घटना दर्ज हुई है। 21 को बालकुम के हाईलैंड हवन की पार्किंग में खड़े दोपहिया वाहन में तथा मानपाड़ा खेवड़ा सर्कल के पास कूड़े में आग लगने की घटना हुई है।

22 को दिवा गांव के कूड़े में तथा मुंब्रा में गाड़ी पर बंधे प्लास्टिक के तिरपाल में आग लगने की घटना दर्ज है। 25 को घोड़बंदर रोड़ वाघबील स्थित एक बंगले में लगी आग से झुलसकर पति पत्नी की मौत हो गई तथा मुंब्रा कौसा के मुगल पार्क बिल्डिंग स्थित एक स्क्रैप की दुकान में गैस सिलेंडर फटने एवं आग लगने से तीन लोग घायल हो गए। 26 को रामचन्द्रनगर स्थित एक दुकान में तथा घोड़बंदर हीरानंदानी इस्टेट के पास एक 14 मंजिला इमारत के मीटर बाक्स में आग लगने का मामला दर्ज किया गया है।

'हमारी नहीं सुनते, कम से कम संसद की तो सुनिए', बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को फटकारा

मुंबई, बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार पर तीखी टिप्पणी की है। कोर्ट ने बुधवार को पेरेंट्स और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के मकसद से बनाये गए केंद्रीय कानून के प्रावधानों को पूरी तरह से लागू नहीं करने के लिए महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने इस दौरान कहा, 'आप हमारी नहीं सुनते, कम से कम संसद की तो सुन लीजिए।'मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार ने अभी तक माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 के अनुसार बनाए गए नियमों के तहत गठित होने वाली परिषद में सदस्यों की नियुक्ति नहीं की है। इस पर

मुख्य न्यायाधीश उपाध्याय ने चुटकी लेते हुए कहा, ''आप कोर्ट की बात नहीं मानते, कम से कम संसद की बात तो सुनो!'' मालूम हो कि केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण पर 16 साल पुराना कानून संसद द्वारा बनाया गया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अधिनियम के कार्यान्वयन पर राज्य परिषद, जिला समितियों/ जिला समन्वय-सह निगरानी समितियों के संबंध में डिटेल्स देने का निर्देश दिया है। पीठ ने राज्य सरकार से इस कानून के विभिन्न प्रावधानों को लागू करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्योरा देते हुए एक हलफनामा दाखिल करने को भी कहा है।

निलोफर अरमानी ने हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी, जिस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की। याचिककर्ता ने राज्यभर में वृद्धाश्रमों के लाइसेंस, पंजीकरण और प्रबंधन के लिए विस्तृत दिशानिर्देश तैयार करने की मांग की है। जनहित याचिका में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल और सुरक्षा के लिए राज्य के सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग द्वारा अधिसूचित 2010 नियमों के प्रभावी कार्यान्वयन की भी मांग की गई।

पूर्व मेयर और उद्धव गुट के नेता दत्ता दलवी की कार में तोड़फोड़, चार अज्ञात लोगों पर FIR, जांच जारी

मुंबई, पुलिस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए शिवसेना (यूबीटी) नेता और शहर के पूर्व महापौर दत्ता दलवी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया. मुंबई में पुलिस ने पूर्व मेयर और शिवसेना नेता दत्ता दलवी की कार में तोड़फोड़ मामले में एक्शन लिया है. विक्रोली पुलिस ने बताया कि कार में तोड़फोड़ करने के आरोप में चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. आगे की जांच जारी है.

क्या है पूरा मामला?

एक स्थानीय अदालत ने बाद में उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया. आरोपी ने अदालत से जमानत देने का अनुरोध करते हुए

दावा किया कि वह बेगुनाह हैं और मामले में उन्हें गलत तरह से फंसाया गया है. उनके आवेदन पर गुरूवार को सुनवाई होगी. अधिकारी के अनुसार, दलवी को बुधवार को भांडुप इलाके से गिरफ्तार किया गया. भांडुप थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि रविवार को उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना द्वारा उपनगर भांडुप में एक सभा आयोजित की गई थी जिसमें दलवी ने कथित तौर पर शिंदे के खिलाफ कुछ आपत्तिजनक बयान दिए. इस आधार पर दलवी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई. पुलिस ने गिरफ्तार करके दलवी को उपनगर मुलुंड की एक मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया और उनकी दो दिन की रिमांड की मांग की. जांचकर्ताओं ने कहा कि इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उन्हें हिरासत में रखना जरूरी है. हालांकि दलवी की ओर से वकील संदीप सिंह ने कहा कि रिमांड अर्जी में हिरासत का कोई जायज आधार नहीं बताया गया है और उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रभावित नहीं किया जा सकता.

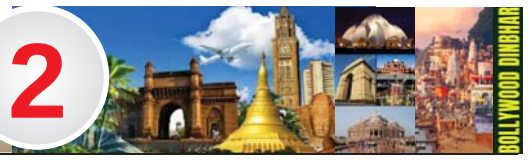

संपादकीय / लेख

सिलक्यारा घटना के सबक...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

उत्तराखंड में सिलक्यारा सुरंग से 41 श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय सराहनीय रहा है। भारतीय परियोजना प्रबंधन में ऐसी उपलब्धि यदा-कदा ही दिखती है। इसमें कोई शक नहीं कि सरकार ने सुरंग में फंसे इन लोगों को बाहर निकालने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सामान्य आपदा प्रतिक्रिया बलों के अलावा नौ सरकारी एजेंसियां इस काम में दिन रात लगी हुई थीं। इनमें रक्षा संगठन और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां भी शामिल थीं। इस तरह, बचाव कार्य में उपकरणों से लेकर विशेषज्ञता सभी का साथ मिला। प्रधानमंत्री कार्यालय सीधे इस बचाव कार्य पर नजर रख रहा था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने स्वास्थ्य, सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग और दूरसंचार मंत्रालयों को सभी उपलब्ध संसाधनों के साथ पूरी ताकत झोंक देने का निर्देश दे रखा था।

सुरंग तकनीक एवं बचाव कार्य में विशेषज्ञता रखने वाली विदेशी एजेंसियों की भी मदद ली गई। सभी एजेंसियों ने अपनी तरफ से पूरा योगदान दिया और कठिन चुनौतियों के बीच 70 से 90 मीटर मलबे के नीचे कामगारों तक भोजन एवं आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की। वे मनोवैज्ञानिक रूप से फंसे लोगों का उत्साह बढ़ाती रहीं। थाईलैंड में भी 2018 में एक बार ऐसी ही घटना हुई थी। वहां एक फुटबॉल टीम के 12 किशोर लड़के एवं उनके प्रशिक्षक एक बाढ़ग्रस्त गुफा में फंस गए थे। उन्हें बाहर निकालने के लिए अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की एक टीम तैयार की गई और कड़ी मेहनत के बाद 18 दिन बाद उन्हें बाहर निकाला जा सका। सिलक्यारा घटना इस मायने में अलग है कि इसमें ज्यादातर स्थानीय एजेंसियों ने मोर्चा संभाल रखा था।

सिलक्यारा में बचाव कार्य सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद इसे भारत की जुगाड़ तकनीक की एक अद्भुत मिसाल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। परंतु, इसके साथ ही यह हमें कुछ वास्तविकताओं से भी साक्षात्कार कराता है। थाईलैंड में ऊंची रकम पाने वाले ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के बचाव कर्मियों ने अहम भूमिका निभाई थी। इसके उलट भारत में अंतिम क्षणों में बचाव कार्य की जिम्मेदारी भारतीय श्रम व्यवस्था में अत्यधिक पिछड़े एवं प्रायः उपेक्षित श्रमिकों ने अहम भूमिका निभाई। जब अत्याधुनिक मशीन उपकरण कुछ विशेष नहीं कर पाए तब रैट-होल कोयला खनिकों ने बहुत ही कम जगह में गैस कटर, कुदाल और खाली हाथों से मलबे की अंतिम परत हटाई। सच्चाई यह है कि इन खनिकों की यह अनूठी एवं पुरानी विशेषज्ञता नौ वर्ष पूर्व प्रतिबंधित होने के बाद अब भी मौजूद है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण और उच्चतम न्यायालय ने इस विधि पर प्रतिबंध लगा दिया था।

रैट-होल माइनिंग पूर्वी एवं पूर्वोत्तर भारत में रोजगार की कमी के बारे में काफी कुछ कह जाती है। इन क्षेत्रों में रैट-होल माइनिंग विधि का इस्तेमाल होता है और सरकारी विभागों एवं उद्योगों की सांठगांठ से यह विधि अब भी अस्तित्व में बनी हुई है। रैट-होल खनिकों द्वारा दिखाई गई क्षमता को देखते हुए राज्य आपदा प्रबंधन में एक विकल्प के रूप में इस विधि का इस्तेमाल किया जा सकता है। इन क्षेत्रों में बड़े स्तर पर निर्माण कार्यों को देखते हुए यह तरीका भी एक विकल्प के रूप में आजमाया जा सकता है। सिलक्यारा आपदा हमारा ध्यान इस तरफ खींचती है कि केंद्र एवं राज्य सरकारें अत्यधिक संवेदनशील हिमालय क्षेत्र में किस तरह अंधाधुंध बड़े एवं अनावश्यक आधारभूत ढांचे- सड़क, सुरंग, रेलवे, बांध आदि-तैयार कर पर्यावरण से जुड़े जोखिम मोल ले रही हैं। इन परियोजनाओं की ढांचा भी पुख्ता नहीं होता है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

चेंबूर कैंप ब्लास्ट मामले मे दो दिनों से गैस लीकेज होने का किया स्थानीको ने संसानीखेज खुलासा

मनसे चेंबूर विधानसभा अधक्ष्य माऊली थोर्वे ने ब्लास्ट मामले के दोषियों पर कड़ी कारवाई की मांग

स्थानीको ने गैस एजेंसी की लापरवाही के कारण हुआ गैस बाटले का ब्लास्ट

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) चेंबूर कैंप ओल्ड बैरक मे हुए घातक गैस बाटला ब्लास्ट मे स्थानीको ने ब्लास्ट से पूर्व दो दिनों से गैस लीकेज होने का किया खुलासा। जिसके कारण अब पुलिस जांच मे भी अब नया मोड आगया है । गौरतलब हो की मनसे प्रदेश वाहतूक सेना महासचिव माऊली थोर्वे ने गैस बाटला वाली ओल्ड बैरक घटना स्थल का दौरा कर पीड़ित रहीवासियो से मिलकर ब्लास्ट की सच्चाई जानने की कोशिश किया। वहीं स्थानीको ने माऊली थोर्वे को घटना वाले दिन से दो दिन पूर्व से ही भारत गैस एजेंसी डेलिवरी बॉय कृष्णा को गैस लीक होने की शिकायत किया था। जिसको लेकर एजेंसी संचलको से लेकर डेलिवरी बॉय तक गंभीरता से लेने की बजाये लापरवाह रवैया अपनाकर शिकायत को आनसुना करने के कारण बीस लोगों की जान खातरे मे डाल दिया ।

जिसमें पीड़ित के घर मे गैस ब्लास्ट हुआ था वो गावों से लौटे थे। जिनकी हालत नाजुक चिंता जनक बनी हुई है । उल्लेखनीय तौर पर ब्लास्ट का मुआने करने आये मनसे चेंबूर अधक्ष्य माऊली थोर्वे ने चेंबूर पोलिस से मांग किया है ब्लास्ट के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख़्शा न जाये । उनपर कड़ी से कड़ी कारवाई होनी चाहिए । तथा सायन अस्पताल मे आईसीयू मे भर्ती पीड़ित महिला 91 प्रतिशत ब्लास्ट मे बहुत बुरी तरह से जल चुकी है । वहीं माऊली थोर्वे ने कहा की दोनो पति पत्नी जिंदगी को लेकर अस्पताल मे मौत से लड़ रहे है, ईश्वर दोनो को जीवन देकर स्वस्थ लाभ प्रदान करे ।

गोवंडी मे पार्किंग का शुल्क न देने वाले युवक पर दो गुंडों ने किया जानलेवा हमला

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी)मुंबई शहर मे बढ़ती अवैध पार्किंग का व्यवसाय अब सीधे साधे लोगों के लिए नहीं है । इस बात को लेकर कई बार पॉश एरिया से लेकर झुग्गी झोपड़पट्टियों मे बढ़ते अपराधो का कारण बन चुकी है । बताते है युवकों का झुंड रात रात को बैठक बनाकर नशा करने का हॉट स्पॉट मे तब्दील कर चुके है। ऐसा ही एक मामला 90 फीट रोड़ मे देखने को मिला। कहा जाता है की अवैध रूप से पार्किंग चलाने वाले गुंडो ने पार्किंग शुल्क न देने वाले दो युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे गुंडो के जानलेवा हमले मे होटल व्यवासाई समेत उसका छोटा भाई हमले मे गंभीर रूप से घायल हो गया है ।

जिनको इलाज के लिए अस्पताल मे भर्ती किया गया है । वहीं शिवजिनगर पोलिस ने इस अपराध मे संलिप्त दो फरार आरोपियों मे से एक को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया है। वहीं जबकि दूसरा आरोपी अभी भी पोलिस के पहुँच से दूर है । अवैध पार्किंग के कारण बढ़ते अपराधो को जहाँ बढ़ावा मिल रहा है। वहीं मनपा व पोलिस प्रशासन जान बूझकर आँखे बंद कर तामाश बिन दर्शक बन कर अपराधो को घटित होते देख रहे है। सूत्रों के अनुसार एम पूर्व विभाग मे बड़े पैमाने पर विभिन्न सर्व जनिक खुली जगहो पर सड़क किनारे संचालित होने वाली पकिंगों को पोलिस, मनपा का संरक्षण प्राप्त है। कहा जाता है की पार्किंग संचालक अधिकतर गुंडे माफिया चलाते है, जिसका संबंधित विभाग के अधिकारियों को बड़े पैमाने पर हफ्ता देकर आँखे बंद करने को मजबूर करते है। वहीं काफी समय से ही एम पूर्व विभाग के सक्रिय रूप से चलने वाली अवैध पकिंगों को कई बार विभिन्न सामाजिक संस्थानों, मंडलों ने बंद कर नशे के बढ़ते प्रभाव व अपराधो पर नियंत्रण करने की मांग कर चुके है । जिसे संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों ने नागरिको संस्थानों की मांग को अन देखा कर काचरे के डिब्बे मे डाल चुके है।

हुक्का बन्द होते ही बौखलाए ढाबा मालिक ने दिया पत्रकार को जान से मारने की धमकी

मुस्तकीम खान

भिवंडी : यहां शहर से लगे भिवंडी नासिक रोड, और मुंबई नासिक हाई वे पर दर्जनों ढाबे हैं जहां पर अवैध नशीला हुक्का परोसने का कारोबार हो रहा था जिसके विरुद्ध उर्दू टाइम्स के पत्रकार ने खबर प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराने के साथ ही अवैध हुक्के का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया के प्लेट फार्म एक्स पर शेयर किया था. जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने पूरे मामले को संज्ञान में लेते हुए कारवाई करते हुए कई ढाबों पर मामला दर्ज किया था. इस बात से बौखलाए एहतेशाम शेख जो दिल्ली दरबार और नवाब ढाबे का मालिक है जो कथित तौर पर स्व घोषित ढाबा मालिक यूनियन का कर्ता धर्ता बताता है ढाबे पर पुलिस के हुक्का बंद कराने और कारवाई की बौखलाहट में 27 नवंबर शाम साढ़े 8 बजे आम पाड़ा स्थित और एक शादी हाल में उर्दू टाइम्स के पत्रकार दानिश आजमी को जान से मारने की धमकी देते हुए पत्रकार को धमकाया की बहुत सोशल मीडिया और उर्दू टाइम्स में ढाबे के विरुद्ध लिखते हो बंद कर दो वर्ना जान से

हाथ धोना होगा इस धमकी से भयभीत पत्रकार दानिश आजमी ने इस पूरी घटना की जानकारी पुलिस उपायुक्त नवनाथ ढवले से मुलाकात कर दिया पुलिस उपायुक्त के आदेश पर शान्ति नगर पुलिस ने 28 नवंबर को आरोपी एहतेशाम शेख के विरुद्ध ठउफ दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू किया है. पत्रकार दानिश आजमी ने बताया कि एहतेशाम शेख और उनके सहयोगियों से जान को खतरा है. क्यों कि इससे पूर्व में भी कई पत्रकारों को जान से मारने की धमकी दे चुके है. पुलिस प्रशासन समय रहते पूरे मामले को गम्भीरता से लेते हुए ढाबा मालिक के विरुद्ध कानूनी कारवाई करे नहीं तो ये मनबढ़ ढाबा मालिक कोई भी घटना अंजाम दे सकते हैं.

मुंबई/ ईडी को वधावन के आवास के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाने की इजाजत

मुंबई : मुंबई की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय को हाउसिंग डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के राकेश वधावन के आवास के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाने की अनुमति दी। वधावन पीएमसी बैंक धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी है। केंद्रीय एजेंसी को आशंका है कि मेडिकल जमानत पर बाहर रहने के दौरान वधावन सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं या अज्ञात संपत्तियों को ठिकाने लगाने का प्रयास कर सकते हैं। विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने ईडी की याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि वधावन मामले के मुख्य आरोपियों में से एक था और अपराध से प्राप्त आय बहुत बड़ी है। अदालत ने कहा कि 'चूंकि जांच जारी है, इसलिए इस बात का ध्यान रखना होगा कि किसी भी मामले में आरोपी राकेश वधावन सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई स्वतंत्रता का दुरुपयोग न करें और इस हद तक ईडी द्वारा उठाया गया विवाद उचित है। यदि इसकी अनुमति दी जाती है तो आरोपी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।' ईडी की अभियोजक कविता पाटिल

ने मंगलवार को एक याचिका दायर कर अदालत से वधावन के घर के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। इसके अलावा याचिका में कहा गया है कि अंतरिम जमानत पर वधावन सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं या अज्ञात संपत्तियों का निपटान कर सकते हैं। एजेंसी ने कहा कि उन्हें सीसीटीवी कैमरे लगाने की अनुमति दी जा सकती है ताकि वह अंतरिम जमानत पर आरोपी की रिहाई के दौरान होने वाली किसी भी संभावित घटना या उल्लंघन का रिकॉर्ड ले सके।

एसआरए फ्लैट ट्रांसफर शुल्क में 50% की कमी

कैबिनेट बैठक में लिया गया महत्वपूर्ण फैसला... अब 1 लाख की जगह देने होंगे 50 हजार रुपए

मुंबई : नए साल के पहले राज्य की एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने झोपड़पट्टी रहिवासियों को उपहार दिया है। झोपड़पट्टी पुनर्वास योजना के तहत बनने वाले फ्लैट के ट्रांसफर की रकम में 50 फीसदी कटौती करने का निर्णय सरकार ने लिया है। बुधवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय

लिया गया। सरकार के इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद झोपड़पट्टीवासियों को फ्लैट ट्रांसफर के लिए 1 लाख के बजाय अब 50 हजार शुल्क लिया जाएगा। सरकार के इस निर्णय से मुंबई सहित एमएमआर क्षेत्र के लाखों झोपड़पट्टी वासियों को फायदा होगा। बता दें कि झोपड़पट्टी पुनर्वास (एसआरए) योजना के तहत निमार्णाधीन इमारत के फ्लैट का ट्रांसफर मुफ्त किया जाता है, लेकिन स्टाम्प ड्यूटी के रूप में 1 लाख रुपए देने पड़ते हैं। इससे फ्लैट खरीदने वाले पर आर्थिक बोझ पड़ता है। इस बोझ को कम करते हुए सरकार ने ट्रांसफर फीस में 50 फीसदी कटौती करते हुए फीस को एक लाख से घटाकर 50 हजार कर दिया है। शिंदे सरकार ने स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री मेरा स्कूल, सुंदर स्कूल अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। बुधवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में निर्णय लिया गया। सरकार भारत रत्न बाबा साहेब आंबेडकर आदर्श स्कूल योजना के अंतर्गत यह अभियान शुरू करेगी। इस अभियान के तहत राज्य के स्कूलों का विकास और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस अभियान के पहले चरण में 478 स्कूलों को शामिल किया गया है। अभियान को तीन स्तरों पर लागू किया जाएगा। यह अभियान 45 दिनों में चलाया जाना है। इस अभियान के तहत स्कूलों में छात्र-केंद्रित गतिविधियों, स्कूल प्रबंधन द्वारा आयोजित गतिविधियों के लिए 100 अंक होंगे। स्कूलों का मूल्यांकन करने के लिए शिक्षा उप निदेशक की अध्यक्षता में नगर पालिका स्तर पर एक मूल्यांकन समिति होगी और बाकी के लिए केंद्र प्रमुख की अध्यक्षता में समिति होगी। इसके अलावा तालुका और जिला स्तर पर भी समूह विकास अधिकारी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में समितियां होंगी। प्रत्येक मंडल से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को शीर्ष 3 रैंक के लिए चुना जाएगा।

मुंबई पुलिस के खोजी कुत्ते ने अगवा किए गए छह साल के बच्चे को 90 मिनट में ढूंढ निकाला

मुंबई : मुंबई पुलिस के बम निरोधक एवं जांच दस्ते के एक खोजी कुत्ते ने अगवा किए गए छह साल के एक बच्चे को सिर्फ 90 मिनट में ढूंढ निकाला। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, डाबरमैन नस्ल के कुत्ते लियो ने शुक्रवार तड़के अंधेरी (पूर्व) में अशोक नगर बस्ती से करीब 500 मीटर दूर लड़के को ढूंढ निकाला। पुलिस ने बताया कि अगवा किया गया बच्चा भी उसी बस्ती में रहता है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने बच्चे का अपहरण उस समय किया जब वह अपनी झुग्गी के बाहर खेल रहा था। अधिकारी ने बताया कि लड़के के परिवार ने मध्यरात्रि के बाद पवई पुलिस से संपर्क किया। पुलिस के मुताबिक, परिजनों ने पुलिस को बताया कि लड़के ने झुग्गी से बाहर निकलने से पहले कपड़े बदले थे, जिसके बाद पुलिस ने लियो को बच्चे की कमीज सुंघाई। अधिकारी ने बताया कि कमीज सूघने के बाद लियो ने तुरंत पुलिस टीम को उस लड़के तक पहुंचाया, जिसे अज्ञात अपहरणकर्ता घबराहट में छोड़कर भाग गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नवी मुंबई में 10.9 लाख रुपये के मादक पदार्थ जब्त, 2 गिरफ्तार

ठाणे : नवी मुंबई दो लोगों के पास से 10.90 लाख रुपये मूल्य का प्रतिबंधित मादक द्रव्य मेफेड्रोन जब्त करने के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ के दल ने मंगलवार शाम को तलोजा इलाके में कलंबोली-मुंब्रा मार्ग पर स्थित पेंढार फाटा में स्कूटर से जा रहे दो लोगों को रोका। तलोजा थाने के अधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान पुलिस ने दोनों व्यक्तियों के पास से 107 ग्राम मादक पदार्थ तथा उनका स्कूटर जब्त कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपियों की उम्र 28 वर्ष और 36 वर्ष है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों पर स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अधिनियम (एनडीपीएस) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मणिपुर के चार मेडिकल कॉलेज के विस्थापित छात्र पढ़ सकेंगे ऑनलाइन, NMC का फैसला जारी...

नई दिल्ली : मणिपुर के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के चार मेडिकल कालेजों के सभी विस्थापित छात्रों को अस्थायी व्यवस्था के रूप में चूड़चंदपुर मेडिकल कालेज में ऑनलाइन या हाइब्रिड मोड पर कक्षाएं लेने की अनुमति दी जाएगी। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने निर्णय लिया है कि ऐसे सभी छात्रों के लिए परीक्षाओं की व्यवस्था केवल उस मेडिकल कालेज में की जाएगी। उपस्थिति और आंतरिक मूल्यांकन में कमी की व्यवस्था विशेष कक्षाओं के माध्यम से की जाएगी।

अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड के अध्यक्ष सहित आयोग के सदस्यों की एक टीम ने इंफाल का दौरा किया और मूल्यांकन के लिए राज्य के अधिकारियों और सभी चार मेडिकल कालेजों के डीन के साथ विस्तृत चर्चा की, जिसके बाद एनएमसी ने इन फैसलों से बुधवार को मणिपुर सरकार को अवगत कराया। राज्य सरकार तीन मई को मणिपुर में हिंसा फैलने के बाद से जेएनआइएमएस, रिम्स, सीएमसी और शिजा मेडिकल कालेज के विस्थापित छात्रों के लिए कक्षाएं और परीक्षा आयोजित करने की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और एनएमसी को पत्र लिखी थी।

पत्र में लिखी गई ये बात

एनएमसी ने मणिपुर में आयुक्त सह सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण को एक पत्र में कहा कि ऐसे सभी विस्थापित छात्रों के लिए परीक्षा केवल उस मेडिकल कालेज में ही आयोजित की जाएगी और उपस्थिति और आंतरिक मूल्यांकन में कमी के लिए विशेष कक्षाओं के माध्यम से व्यवस्था की जाएगी। अगल प्रशासन की मांग को लेकर कुकी समुदाय का प्रदर्शन मणिपुर में बुधवार को हजारों कुकी जो समुदाय के लोग अलग प्रशासन की मांग करते हुए कई जिलों में सड़कों पर उतरे। कुकी समुदाय के लोगों ने चूड़चंदपुर के लमका पब्लिक ग्राउंड से डीसी कार्यालय के पास स्थित वाल आफ रिमेंबरेंस तक तीन किलोमीटर लंबा मार्च निकाला। न्होंने केंद्र से कुकी जो

महाराष्ट्र के किसानों को राहत

3 हेक्टेयर तक फसल नुकसान पर सहायता देगी शिंदे सरकार

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार पिछले कुछ दिनों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण फसल बबार्दी का सामना करने वाले किसानों राहत देगी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को बताया कि तीन हेक्टेयर भूमि तक के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। एक कैबिनेट मंत्री ने अलग से कहा कि सहायता की राशि फसल क्षति आकलन प्रक्रिया पूरी होने के बाद तय की जाएगी। शिंदे ने प्रारंभिक अनुमानों का हवाला देते हुए सोमवार को कहा कि पिछले सप्ताहांत में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से

मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्रों सहित महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में लगभग एक लाख हेक्टेयर भूमि पर फसलों को नुकसान पहुंचा है।

बुधवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान, शिंदे ने राजस्व और कृषि विभागों के अधिकारियों को समन्वित तरीके से फसल के नुकसान का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''सर्वेक्षण युद्धस्तर पर हो रहा है। तीन हेक्टेयर तक राहत देने का फैसला लिया गया है। सरकार किसानों के साथ खड़े होने के लिए प्रतिबद्ध है।'' उन्होंने कहा कि सभी जिला संरक्षक मंत्रियों को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ प्रभावित किसानों के पास जाना चाहिए।

चीन में बढ़ते निमोनिया प्रकोप के बीच केरल के CM का आया बयान, कहा- स्वास्थ्य विभाग ने राज्यव्यापी निगरानी की मजबूत

मलप्पुरम : चीन में रहस्यमय निमोनिया के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए केंद्र द्वारा सभी राज्यों को सलाह जारी की गई थी। वहीं अब केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने गुरुवार को कहा कि राज्य स्वास्थ्य विभाग ने राज्यव्यापी निगरानी को मजबूत किया है। सीएम विजयन ने कहा, ''चीन के कुछ प्रांतों में निमोनिया

के अधिक मामले सामने आए हैं। इस वजह से स्वास्थ्य विभाग ने राज्यव्यापी निगरानी मजबूत कर दी है। इसके अलावा राज्य मेडिकल बोर्ड, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग और विशेषज्ञ डॉक्टर वर्तमान स्थिति का विश्लेषण कर रहे हैं।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने पिछले तीन महीनों में श्वसन संबंधी समस्याओं से संबंधित मामलों में कोई असामान्य वृद्धि दर्ज नहीं की है। उन्होंने कहा, 'इसलिए हमें सतर्क रहना चाहिए।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : दिसंबर 01 नवंबर 2023

महाराष्ट्र में आसमान से आफत गिर रही थी और सुल्तान...

दत्ता दलवी के बहाने एकनाथ शिंदे पर भड़के संजय राउत

मुंबईः पुलिस ने मुंबई के पूर्व महापौर दत्ता दलवी के खिलाफ धर्म, नस्ल, जन्म स्थान, निवास, भाषा के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने के लिए मामला दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, शिवसेना (यूबीटी) के दलवी ने यूबीटी सेना के कोंकण पदाधिकारियों की एक सभा में सीएम शिंदे के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। शिंदे गुट ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि दलवी ने एक व्यक्ति (सीएम शिंदे) के संवैधानिक पद पर आसीन होने के बारे में अपमानजनक बयान दिए। दलवी ने कहा कि वह मुख्यमंत्री शिंदे के खिलाफ इस्तेमाल किए गए शब्दों पर दृढ़ हैं और उन्होंने कहा कि वे अपमानजनक नहीं थे और वास्तव में शिवसेना नेता आनंद दिघे की भूमिका निभाने वाले अभिनेता ने पिछले साल रिलीज हुई अपनी बायोपिक धर्मवीर में उनका इस्तेमाल किया था। वहीं संजय राउत ने भी दत्ता दलवी का समर्थन किया है। दत्ता दलवी 2005 से 2007 तक महापौर रहे और तीन बार बीएमसी में पार्षद रहे। उन्होंने कहा, 'मैं बालासाहेब ठाकरे का कट्टर शिव सैनिक हूं। मैं उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में काम कर रहा हूं। मुझे अपने बयान के लिए खेद नहीं है। क्योंकि मैंने आनंद दिघे के साथ काम किया है। मैंने वही शब्द बोला है जो आनंद दिघे के चरित्र ने फिल्म में इस्तेमाल किया था।'

'असंसदीय नहीं थी भाषा'

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत और उनके भाई विधायक सुनील राउत भांडुप पुलिस थाने पहुंचे और दलवी को समर्थन दिया। राउत ने दावा किया कि दलवी के इस्तेमाल किया गया शब्द असंसदीय नहीं था। सुनील राउत ने कहा, 'पूरा पुलिस बल उसके घर में घुस गया और उसे गिरफ्तार कर लिया। दलवी ने रैली में केवल जनता की भावना व्यक्त की। गद्दारों के दिलों का सम्राट मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा है और खुद को हिंदुओं के दिलों का सम्राट कह रहा है, यह वीर सावरकर और बालासाहेब ठाकरे का अपमान है।

संजय राउत ने साधा शिंदे पर निशाना

शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा, 'पांच दिन हो गए, कहीं बेमौसम बारिश हो रही है, कहीं ओलावृष्टि हो रही है, पूरे महाराष्ट्र की स्थिति गंभीर है...जब ये संकट, आसमान से आफत गिर रही थी, तो हमारे मुख्य सुल्तान और डेप्युटी सुल्तान प्रचार में व्यस्त हो गए। कोई छत्तीसगढ़ चला गया, कोई तेलंगाना, जैसे वे नहीं गए तो वहां चुनाव नहीं होंगे...' संजय राउत ने कहा कि विदर्भ, नासिक से लेकर उत्तर महाराष्ट्र, कोंकण और ठाणे में भारी नुकसान हुआ है। हमारे 11 करोड़ किसान संकट में हैं, उन्हें इस बारे में चिंता नहीं है। विधानसभा में सवाल उठेगा इसलिए आज पहुंच गए। नौटंकी करने।

शिंदे समिति पर बयान को लेकर भुजबल पर भड़के विखे पाटिल...

कर दी इस्तीफे की मांग... जानें पूरा मामला

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल की मराठा आरक्षण मुद्दे पर गठित न्यायमूर्ति (सेवानिवृत) संदीप शिंदे समिति को बर्खास्त करने की मांग के मद्देनजर उनके मंत्रिमंडल सहयोगी राधाकृष्ण विखे पाटिल ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता को इस तरह के बयान देने से पहले एक मंत्री के नाते इस्तीफा दे देना चाहिए. उन्होंने भुजबल को संयम बरतने की सलाह दी, क्योंकि उनके रुख से यह संदेश जाएगा कि मराठा आरक्षण मुद्दे पर राज्य सरकार में कोई एकजुटता नहीं है.

क्या है मामला ?

भुजबल ने सोमवार को मराठाओं को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी किए जाने पर रोक और समिति को बर्खास्त करने की मांग की थी. भुजबल ने कहा था कि समिति मराठवाड़ा क्षेत्र में दस्तावेजों की पहचान करने का अपना काम पूरा कर चुकी है. छगन भुजबल, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के नेता और राज्य सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री हैं. कोल्हापुर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए भाजपा नेता और राजस्व मंत्री विखे पाटिल ने कहा कि भुजबल एक वरिष्ठ नेता हैं और उन्हें संयम रखना चाहिए. विखे पाटिल ने कहा, ''मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर मनोज जरांगे के आंदोलन पर राज्य सरकार पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुकी है. राज्य सरकार स्पष्ट कर चुकी है कि किसी (अन्य समुदाय की) आरक्षण सीमा को प्रभावित किये बिना मराठा समुदाय को आरक्षण दिया जाएगा.''

क्या बोले पाटिल ?

पाटिल ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के नाम पर (भुजबल के नेतृत्व में) आंदोलन अनुचित है.उन्होंने कहा, ''अगर सरकार ने मराठाओं को ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण देने का फैसला किया होता, तो मैं (उनके आंदोलन पर) उनके रुख को समझ सकता था. ओबीसी बनाम मराठा विवाद बेतुका है. भुजबल एक वरिष्ठ नेता हैं और उन्हें धैर्य रखना चाहिए. मौजूदा वक्त में लोग उनके बारे में सम्मानपूर्वक बात करते हैं, लेकिन (अगर ऐसे जारी रहा) तो उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठने लगेगी.'' शिंदे समिति को बर्खास्त करने की भुजबल की मांग के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि भुजबल को पहले मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना चाहिए और फिर इस तरीके का बयान देना चाहिए.

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में बाघ की खाल के साथ दो लोग गिरफ्तार

गढ़चिरौली : महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में दो व्यक्तियों के पास से एक बाघ की खाल जब्त की गई। वन अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाघ की खाल की तस्करी की संभावना को लेकर एक गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर गढ़चिरौली और पड़ोसी छत्तीसगढ़ के वन प्रभागों के दलों ने बुधवार को सुबह एक संयुक्त अभियान चलाया। भामरागढ़ के सहायक वन संरक्षक अशोक पवार द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने यहां एट्टापल्ली-जीवनगट्टा रोड पर दो व्यक्तियों के पास से बाघ की खाल जब्त की। विज्ञप्ति के मुताबिक, गढ़चिरौली निवासी दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

7800 किलो खिचड़ी में गडकरी ने डाला मसाला और धनिया पत्ती... 50 हजार लोग करेंगे भोजन

महाराष्ट्रः केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की परिकल्पना के तहत नागपुर में खासदार सांस्कृतिक महोत्सव इन दिनों शुरू हो गया है। महोत्सव के सुबह के सत्र में ईश्वर देशमुख शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय के परिसर में आज 7800 किलो की खिचड़ी का महाप्रसाद तैयार किया गया। जानकारी दे दें कि आज गजानन विजय ग्रंथ का पाठ भी किया गया। इसीलिए भारत के फेमस शेफ विष्णु मनोहर ने गजानन महाराज के लिए 7800 किलो खिचड़ी का महाप्रसाद तैयार किया है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी पहुंचे।

बनाई गई 7800 किलो खिचड़ी

सांसद खासदार संस्कृति महोत्सव समिति के अनुसार, लगभग 50,000 भक्तों को इस महाप्रसाद का लाभ मिलेगा। समिति ने कहा कि गजानन महाराज कहते थे कि अन्न ही पूर्ण ब्रह्म है, इस खिचड़ी का जिक्र उनकी पोथी में भी है, इसलिए आज भक्तों के लिए 7800 किलो की खिचड़ी बनाई गई है। इसी कारण केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी खिचड़ी में तड़का लगाने के लिए पहुंचे हैं और उन्होंने विष्णु मनोहर के साथ बन रही खिचड़ी में मसाले और धनिया पत्ता डाला है।

''इतनी खिचड़ी एक साथ बनाकर रिकॉर्ड बनाया''

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि रोज हजारों लोग सांस्कृतिक महोत्सव में आते हैं। इस बार की विशेषता यह है कि सिर्फ मनोरंजन के कार्यक्रम के अलावा साहित्य,संस्कृति, नाटक, भक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। साथ ही यहां 7800 किलो की खिचड़ी बनी है जिसे 50,000 लोग खाएंगे, नितिन गडकरी ने आगे कहा कि विष्णु मनोहर में इतनी खिचड़ी एक साथ बनाकर एक रिकॉर्ड बनाया है। विष्णु मनोहर ने इस बारे में कहा कि इस खिचड़ी को चावल, अरहर की दाल, मूंग की दाल, चना दाल, पत्ता गोभी, प्याज, गाजर, मूंगफली, धनिया, तेल, घी, नमक, हल्दी, मिर्च, गरम मसाले, दही, चीनी और पानी का उपयोग करके तैयार किया गया है। विष्णु मोहन ने आगे कहा कि उन्हें लगा था कि शुरू में 3000 से 4000 किलो की खिचड़ी बनेगी, लेकिन खिचड़ी बनते बनते 7800 किलो की खिचड़ी बन गई है। जानकारी दे दें कि गजानन महाराज राज्य के जाने-माने संत हुआ करते थे। बता दें कि संत गजानन महाराज साइ बाबा के समकालीन संत थे।

नवी मुंबई में क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर धोखाधड़ी...

लालच में लुट गए 4.07 लाख

ठाणे : नवी मुंबई के 38 वर्षीय व्यक्ति से तीन लोगों ने कथित तौर पर 4.07 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। आरोपियों ने व्यक्ति को अच्छे मुनाफे के झूठे वादे पर 'बिटकॉइन ट्रेडिंग में पैसा लगाने का लालच दिया था। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं जिन्होंने एक कंपनी से जुड़े होने का दावा किया और व्यक्ति को 'बिटकॉइन ट्रेडिंगमें निवेश करने के लिए कंपनी का एक लिंक भेजा।

नवी मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि इस साल मार्च और जून के बीच छोटी अवधि में अच्छे मुनाफे का आश्वासन मिलने के बाद व्यक्ति ने डिजिटल मंच के माध्यम से 4,07,536 रुपये का निवेश किया। जब व्यक्ति ने वादे के मुताबिक मुनाफा मांगा तो आरोपियों ने उससे बातचीत करना बंद कर दिया। इसके बाद व्यक्ति शिकायत लेकर नवी मुंबई में एपीएमसी पुलिस के पास पहुंचा जिसके आधार पर बुधवार को तीन आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 34 (साझा इरादा) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८१ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com